



स्वयान कौके

पहुरा थारु दैनिकको अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्वी ।

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा



PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाओ,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ४३ वि.सं. २०८३ भदौ १२ गते शुक्र थारु सम्वत (२६४९)

[Friday 28 August 2026]

(मोल रु. ५ ।- पेज ४)

विनाशकारी बाढसे सुदूरपश्चिमके ११० जाने सम्पर्क विहिन

मानव अधिकार रक्षक सञ्जालके बैठकसे रसुवा बाढ प्रभावितहुकन सहयोगके लाग आग्रह

पहुरा समाचारदाता धनगढी, ११ भदौ । भोटकोशी लडियामे आइल विनाशकारी बाढमे परके सुदूरपश्चिम प्रदेशमे ११० जाने सम्पर्कविहीन हुइल बटै ।

रसुवा लगायतके प्रभावित जिल्लामे कार्यरत कर्मचारी, मजदुर, सुरक्षाकर्मी लगायत सम्पर्कविहीन हुइल बटै । सम्पर्कविहीन हुइलमे सबसे ढेर जलविद्युत आयोजनामे कार्यरत मजदुर ओ कर्मचारी रहल जनाइल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रहरी कार्यालय डेहल जानकारी अनुसार कैलालीके सबसे ढेर ४० जाने, कञ्चनपुरके २९ जाने सम्पर्कविहीन हुइल बटै । ओस्टे, डडेल्धुराके १५, बाजुराके १४, बैतडीके चार, दार्चुलाके तीन, डोटी ओ बझाङके दुई/दुई ओ अछामके एक जाने सम्पर्कविहीन हुइल जानकारी आइल प्रदेश प्रहरी कार्यालयके सूचना अधिकारी प्रहरी वरिष्ठ उपरीक्षक पदमबहादुर विष्ट जानकारी डेलै ।

उहाँ सम्पर्कविहीन हुइलके विवरण सङ्कलन कैना कार्य जारी रहल ओरसे सम्पर्कविहीनहुकनके सङ्ख्या अभिन थप हुई सेक्ना बटैलै ।

कैलालीके सबसे ढेर रसुवा हाइड्रो पावर कम्पनीमे कार्यरत मजदुर सम्पर्कविहीन रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालयसे जानकारी डेहल बा । उ कार्यालयके अनुसार रसुवा हाइड्रो पावरमे कार्यरत टीकापुर नगरपालिका-५ मनिकापुरके ४३ वर्षीय कमल चौधरी, ६० वर्षीय डगराम चौधरी, ६३ वर्षीय सुन्की थारु, ५० वर्षीय चन्द्रबहादुर थारु, ६० वर्षीय धनुवा थारु सम्पर्कविहीन हुइल बटै ।

ओस्टेक करके, उहे हाइड्रो पावरमे कार्यरत मजदुर टीकापुर



नगरपालिका-१ के समितिपुरके ३२ वर्षीय भुवन चौधरी, उहे वडाके भूपवस्तीके ३३ वर्षीय विष्णु चौधरी, ३४ वर्षीय मानबहादुर चौधरी, ३६ वर्षीय प्रजित डङ्गौरा, एकतानगरके ४२ वर्षीय विपदराम चौधरी, ३७ वर्षीय राजकुमार चौधरी, ३६ वर्षीय आशिष चौधरी सम्पर्कविहीन रहल बटै । ओस्टे, रसुवा हाइड्रो पावरमे काम कैना टीकापुर नगरपालिका-१ समितिपुरके ४१ वर्षीय अन्तराम चौधरी, २७ वर्षीय दीपक चौधरी, २८ वर्षीय दिलबहादुर चौधरी, एकतानगरके २७ वर्षीय सञ्जय चौधरी, जानकी गाउँपालिका-१ तोरियापुरके ३१ वर्षीय दिलिपकुमार चौधरी सम्पर्कविहीन हुइल जिल्ला प्रहरी कार्यालयके प्रवक्ता प्रहरी नायब उपरीक्षक योगेन्द्र तिमिल्सिना जानकारी डेलै । ओस्टे, रसुवा लाडटाड हाइड्रो पावरमे कार्यरत गौरीगंगा नगरपालिका-४ राजीपुरके २० वर्षीय रोनिक ओली, रसुवामे घर निर्माणके काम कैना जानकी गाउँपालिका-६ धर्मापुरके २९ वर्षीय श्याम चौधरी सम्पर्कविहीन रहल जनाइल बा ।

ओस्टेक करके रसुवामे रहल चाइनिज कम्पनीमे काम कैना टीकापुर

नगरपालिका-१ समितिपुरके वीरबहादुर चौधरी, तुलाराम चौधरी, सनिशराम चौधरी, मनिराम चौधरी, बादल चौधरी, राजेश चौधरी, जुगराम चौधरी, दोर्जे चौधरी, साधुराम चौधरी सम्पर्कविहीन रहल जनाइल बा ।

ओस्टेक करके, मैलुङ खोला हाइड्रो पावरमे कार्यरत कर्मचारी धनगढी उपमहानगरपालिका-१२ ए गाउँके ३२ वर्षीय शिवशंकर जोशी, बर्दगोरिया गाउँपालिका-६ के २८ वर्षीय विजय चौधरी, बर्दगोरिया-५ के २४ वर्षीय भुवन वाग्ले सम्पर्कविहीन रहल बटै । ओस्टेक करके, एनएमबी लघु वित्तीय संस्था रसुवामे कार्यरत धनगढी उपमहानगरपालिका-५ हसनपुरके पुष्पा शाही, नुवाकोटके माइलुङ हाइड्रो पावरमे काम कैना कैलाली गाउँपालिका-३ बर्का मुडाके ३४ वर्षीय विश्वराज चौधरी, वडा नम्बर ६ सुर्मीके रोयल चौधरी सम्पर्कविहीन रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालय जानकारी डेहल बा ।

ओस्टेक करके, लाडटाड हाइड्रो पावरके सुरुङभिट्टर अपरेटरके काम कैना गौरीगंगा नगरपालिका-४ राजीपुरके २७ वर्षीय रवि बोहरा, सुन्धरादेवी कन्स्ट्रक्सन प्रा. लि. नुवाकोटमे

कार्यरत टीकापुर नगरपालिका-७ के अर्जुन थारु सम्पर्कविहीन बटै । मैलुङ हाइड्रो पावरसे २९ वर्षीय विकास ठकुरी, धादिङमे काम कैना टीकापुर नगरपालिका-७ डाँडाबोभीके २९ वर्षीय अर्जुन चौधरी सम्पर्कविहीन रहल जनाइल बा ।

सम्पर्कविहीन हुइलमे पाँच सुरक्षाकर्मीफे

सुरक्षा निकायओर कार्यरत यी प्रदेशके पाँच जाने विनाशकारी बाढके कारण सम्पर्कविहीन हुइल बटै ।

प्रदेश प्रहरी कार्यालयके अनुसार रसुवामे कार्यरत चार जाने नेपाल प्रहरी ओ एक जाने सशस्त्र प्रहरी बलओरके कर्मचारी सम्पर्कविहीन हुइल हुइल । सम्पर्कविहीन हुइलमे कञ्चनपुर घर हुइल प्रहरी हवलदार नरेन्द्रप्रसाद भट्ट, बैतडी घर रहल (बाँकी ३ पेजमे)

पहुरा समाचारदाता धनगढी, ११ भदौ । प्रदेश स्तरीय मानव अधिकार रक्षक सञ्जालके बैठकसे बुधके रोज आइल विनाशकारी बाढसे प्रभावितहुकनहे टमान संघ संस्था ओ व्यक्तिगत रुपमे सहयोग कैना आग्रह कैगल बा ।

सञ्जालके अध्यक्ष देवी खनालके अध्यक्षतामे विफेक रोज धनगढीमे बैठल बैठकसे टमान विषयमे छलफल कैटि उ बाढ प्रभावितहुकनहे सहयोगके लाग अपिल कैना निर्णय करल हो । इन्सेक प्रदेश संयोजक खडकराज जोशी बैठकहे सहजीकरण कैटी उ घटनासे जनधनमे भारी असर पारल कहटी सक्कु सक्कु संघ संस्था ओ व्यक्तिगत रुपमे सहयोग करेपना बटैलै ।

उहाँ कहलै, उ घटनामे ढेर जाने ज्यान गुमैले बटै, अब्बे भौतिक क्षतिफे ओटरे ढेर हुइल बा । उ कल्पनासे ढेर हो । मुलुकहे यी घटनासे ढेर क्षति पुगल हो । यकर लाग जे जा सहयोग करेसेक्की उ कैना जरुरी बा । सञ्जालसे कैलालीमे सुरक्षित आवास गृह स्थापनाके लाग सामाजिक विकास मन्त्रीहे जापनपत्र बुझैना निर्णय करल बा ।

मानव अधिकार सम्बन्धी छैठौ राष्ट्रिय कार्ययोजना स्थानीयकरण करके लाग प्रदेश स्तरीय मानव अधिकार रक्षक सञ्जाल/समुहके संस्थागत रुपमे शेयरिड कैना निर्णय करल बा ।

जिल्ला समन्वय समितिके बैठकमे कार्ययोजनाबारे जानकारी करैना, बाढ प्रभावितहुकनहे सहयोग कैना संघ संस्था व्यक्तिहुनके आग्रह कैना तथा प्राप्त रकम एकद्वार प्रणालीसे सरकारहे हस्तान्तरण कैना निर्णय करल बा ।

ओस्टेक करके व्यवसाय ओ मानव अधिकार सम्बन्धी अन्तरक्रिया कार्यक्रम यिहे महिनामे कैना ओरसे यम्ने सहकार्य कैना संस्थाहे सहयोगके आहवान कैना निर्णय करल सञ्जालके अध्यक्ष देवी खनाल जनैलै ।

कार्यक्रममे मानव अधिकारका लागि महिला एकल महिला समुहके प्रदेश कार्यक्रम अधिकृत वेद अवस्थी एकल महिला सुरक्षा कोष कार्यान्वयनके लाग आवाज उठाई बटैले रहिट । ओरेक कैलालीके संयोजक गीता चौधरी कैलालीमे सुरक्षित आवास गृह स्थापना करेपनामे जोड डेहल रहिट ।

कर तिर्ने संस्कृतिको विकास गरौं

- ❖ कानुनबमोजिम समयमै कर तिरी जिम्मेवार नागरिक बनौं,
- ❖ प्रत्येक खरिद-विक्रीमा अनिवार्य रूपमा बिल-बिजक लिऔं र दिऔं,
- ❖ कर छुली तथा अवैध कारोबारलाई निरुत्साहित गरौं,
- ❖ डिजिटल माध्यमबाट भुक्तानी गरी सेवा सहज बनाऔं,
- ❖ करदाताका अधिकार र कर्तव्यबारे सचेत बनौं,
- ❖ पारदर्शी, इमानदार र जिम्मेवार कर संस्कृतिको विकास गरौं,
- ❖ करबाट संकलित राजस्व राष्ट्रको विकास र सार्वजनिक सेवामा उपयोग हुने हुँदा राष्ट्र निर्माणमा सहभागी बनौं ।

कर तिर्नु नागरिकको दायित्व र राष्ट्रप्रतिको योगदान हो ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

प्रदेश मातहतका निकायमा स्तनपान कक्ष निर्माण गर्ने

पहुरा समाचारदाता धनगढी, ११ भदौ । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे प्रदेश सरकार मातहतके निकायमे स्तनपान कक्ष निर्माण कैना हुइल बा ।

कर्मचारी ओ सेवाग्राहीके सहजताके लग सरकारसे प्रदेश मातहतके निकायमे स्तनपान कक्ष निर्माण कैना निर्णय करल हो । मुख्यमन्त्री खगराज भट्टके अध्यक्षतामे बैठल मन्त्रीपरिषद् बैठकसे असिन निकायमे सेनेटरी प्याडफे उपलब्ध करना निर्णय करल बा ।

ओस्टेक करके, प्रदेश सरकार मातहतके निकायमे महिला, पुरुष, अपांगता हुइल व्यक्ति ओ लैङ्गिक ओ यौनिक अल्पसंख्यकके लग छुट्टाछुट्टै शौचालय निर्माण कैना सरकारसे निर्णय करल बा ।

ओस्टेक, भोटकोशी लडिया आइलके विनाशकारी बाढसे हुइल जनधनके क्षतिप्रति दुःख व्यक्त करटी शोक प्रस्ताव पारित करल बा । मन्त्रीपरिषद् बैठकसे दैजी, लिप्ना, जोगबुढा हुइटी ढुगाड देउरा ओ बेलौरी, कलुवापुर, नायल, बुडर जोरना सडकहे कल्पिक राजमार्गके रुपमे अगाडि बहल निर्णय करल सरकारके प्रवक्ता एवम् उद्योग, पर्यटन, वन ओ वातावरणमन्त्री प्रकाश रावल जानकारी डेले बटै ।

ओस्टेक करके, धनगढी उपमहानगरपालिका-३ शान्ति सामुदायिक वनके ४.८१ हेक्टर जमिन प्राथमिकता प्राप्त आयोजना रहलके व्यहोरा नेपाल सरकार समक्ष अनुरोध कैना मन्त्रीपरिषदसे निर्णय करल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न

निसर्ग हस्पिटल

एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरु

जनरल फिजियन (पेट,छाली,मुटु) रोग विशेषज्ञ	रेडियोलोजी विशेषज्ञ	न्युरो, मास्कुलर, तथा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ	हाडजोर्नी तथा स्पोर्ट्स फिजियोथेरापिस्ट
हाडजोर्नी तथा नशारोग विशेषज्ञ	जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन	स्त्री तथा प्रसुति रोग विशेषज्ञ	नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
नाक, कान, घाँटी तथा श्वाङ्रोइड रोग विशेषज्ञ	एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ	मुख, अनुहार तथा बङ्गारा विशेषज्ञ	मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
छाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ	मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ	मुटु रोग विशेषज्ञ	

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal

091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745

www.nisarghospitalnepal.com / nisarghospitalnepal

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुणा सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७४०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, वेहडी, धनगढी

महाकाली कोरिडोरके पैँतालिस किलोमिटर ट्याक खोल्ना बाँकी

दाचुला, ११ भदौ । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे राष्ट्रिय गौरवके रूपमे रहल महाकाली कोरिडोरके ४५ किलोमिटर ट्याक खोल्ना अभिन बाँकी रहल बा । नेपाल सरकारसे अपने लगानीमे निर्माण करटी रहल कोरिडोरके विस्तृत अध्ययन प्रतिवेदन (डिपिआर) अनुसार १८ अर्ब रुपियाँ लागत रहल महाकाली कोरिडोर (ब्रह्मदेव-भूलाघाट-दाचुला-तिङ्गुर) सडक योजनाके कार्यालय प्रमुख ईश्वर कार्की जानकारी डेलै । हालसम करल निर्माणमे चार अर्ब रुपियाँ खर्च होसेकल बा ।

कोरिडोर निर्माणके लग १४ अर्ब रुपियाँके काम हुइना बाँकी रहल उहाँ बटैलै । आर्थिक बरस २०६५/६६ से निर्माण सुरु हुइल कोरिडोरके ३३४ किलोमिटरमध्ये हालसम २८८.५ किलोमिटरमे ट्याक खोल्ल उहाँ बटैलै । कोरिडोरके कुल लम्बाइ ४१३ किलोमिटरमध्ये ३३४ किलोमिटर सडक महाकाली कोरिडोर सडक निर्माण योजनासे निर्माण करटी रहल बा कलेसे दाचुलास्थित ७९ किलोमिटर सडकके निर्माण नेपाली सेनासे करटी रहल बा । कोरिडोरके कञ्चनपुरमे पर्ना ११ किलोमिटर, डडेलधुरामे ५८ किलोमिटरमध्ये ३२ किलोमिटर, बैतडीके १४४ किलोमिटरमध्ये १४१.५ किलोमिटर ओ दाचुलाके १२१ किलोमिटरमध्ये १०४ किलोमिटर सडकके ट्याक खुल्ल उहाँ बटैलै । आब ४५.५ किलोमिटरमे किल ट्याक खोल्ना बाँकी रहल उहाँ बटैलै ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ७ बेली अवस्थित कित्ता नं. १९१ क्षेत्रफल १६९.३३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री अम्बाकुमारी रोकायाले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पूर्व: कुमारी राधिका उप्रेती

पश्चिम: देवबहादुर धामी

उत्तर: सडक

दक्षिण: प्रेमबहादुर भण्डारी



धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ६ जाली अवस्थित कित्ता नं. ८३६ क्षेत्रफल १७० वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री पवित्रादेवी भण्डारीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पूर्व: तुलाराम चौधरी

पश्चिम: निर्मलाकुमारी अधिकारी

उत्तर: सडक

दक्षिण: बुद्धिराम चौधरी



धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

नीतिगत भ्रष्टाचारके अन्त्य

संसद्से पारित करल ऐन अन्तर्गत उ ऐनहे कार्यान्वयन करना आवश्यक परना नियम, विनियम, कार्यविधि, निर्देशिका, मापदण्ड ओ कानुनबमोजिमके आदेश टमान निकायसे बनाजाइठ । यी सब कानुन हो । संविधानसे आदेशसमके सबके संयुक्त नाम कानुन हो । कानुनमध्ये मूल कानुन संविधानहे किहजाइठ जे सिंगो राज्यसे टमान तरिकासे जारी करठ । यी जारी करना तरिका टमान मुलुकमे टमान मेरिक बा । नेपालके संविधान भर संविधान सभासे २०७२ सालमे जारी करल हो । यी नेपालके मूल कानुन हो । अस्टेक संसद्से ऐन बनाइठ । यिहिनहे फेन राज्यसे बनाइल कानुन कना करजाइठ ।

उ ऐन अन्तर्गत फेनि कानुन बनठ । उ कानुन नेपाल सरकार, प्रदेश सरकारके अतिरिक्त ऐनबमोजिम गठित निकाय, संवैधानिक अंग ओ न्यायपालिकासे समेत बनाइठ । अइसिके संसद्बाहेकसे बनैना कानुन प्रत्यायोजित व्यवस्थापन हो । यी प्रसंग ओ अवस्थामे व्यवस्थापन कलेक ‘म्यानेजमेन्ट’ कहल नैहो, विधायन (लेजिस्लेसन) कहल हो । सामान्यतः कानुन बनैना काम संसद्के हो । संसद्से अधिकार डेलेसे किल प्रत्यायोजित विधायन बने सेकठ । नेपालमे पहिलचो २०८१ सालमे विधायन ऐन बनल बा । यिहिनहे संघीय संसद्के समितिसे सरकारहे संसधे पेस करना निर्देशन जारी करले रहे । यिहिनहे कडाइसाथ लागु कैके भ्रष्टाचार घटाइ सेक्जाइठ ।

यिहिनहे औरे शब्दमे प्रत्यायोजित विधायन फेन कहे सेक्जाइठ । यी कानुनहे विधिशास्त्रमे ‘सहायक कानुन’ फेन कहिजाइठ । यिहिनहे प्रत्यायोजित विधायन, दोसर व्यवस्थापन वा अधीनस्थ विधायन फेन कहिजाइठ । यिहे सहायक कानुनहे प्रत्यायोजित व्यवस्थापन कहल हो । यकर नाम काहे प्रत्यायोजित व्यवस्थापन कहल कना बाट शब्दार्थसे बुझे सेक्जाइठ । संसद्से अधिकार प्रत्यायोजित कैके संसद्बाहेक औरेजे कानुन बनाइल ओरसे यिहिनहे प्रत्यायोजित कहल हो । व्यवस्थापन कलेक कानुन बनैना हो । यिहिनहे ‘प्रत्यायोजित विधायन’ फेन कहिजाइठ । यी प्रचलन विश्वके प्रायः सब मुलुकमे बा मने कहूँ धेर प्रत्यायोजित रहठ टे कहूँ कम । कहूँ प्रत्यायोजित व्यवस्थापनमे फेन संसद्से अनुमति लेहेपरना व्यवस्था बा कलेसे कुहूँ जानकारी डेहल बा । कहूँ संसद्हे जानकारी फेन डेना बाध्य नैरहल व्यवस्था ब । कहूँ संसधे विधेयकसंगे सरकारसे पेस करठ, कहूँ संसधे पाछे पेस करजाइठ ओ संसद्से पारित करठ । कहूँ पेस करलपाछे स्वतः लागु हुइठ संसद्से पारित करे नैपरठ । हमारयहाँ भर जम्मा एक चो लोक सेवा आयोगसे

विधेयकसंगे प्रत्यायोजित विधायन फेन पेस करल डेखाइठ । नैकि ऐनके विधेयक संसद्से पारित करठ, प्रत्यायोजित विधायन अपनखुसी बनाके बैठल डेखाइठ । यकर अनुगमन संसद्से फेन मजासे करल नैमिलठ । आब विधायन ऐनसे यकर व्यवस्था करल बा सरकार यिहिनहे सुरुसे निर्ममतापूर्वक लागु करे ।

प्रत्यायोजित विधायन मनलगना बन्ना, ऐनबिना बन्ना, अप्रासंगिक ऐन देखाके बन्ना ओ सिद्धान्त मिचके बन्नामे

कौनो फेन बाट पुनः प्रत्यायोजित हुइ नैसेकठ; उहिनहे पाछे उल्लेख करजाइठ । प्रत्यायोजित व्यवस्थापनके मूलभूत बाट बुझ्न आवश्यक बा, टब किल कानुन परीक्षण करे सेक्जाइठ । अइसिके हेरलेसे संसद् कानुन बनैना काममे पूर्ण रूपमे व्यस्त हुइना डेखाइठ । अइसिन करलेसे चुनावी प्रतिस्पर्धा फेन कानुन निर्माणके आधारमे हुइना प्रचलन ढिरेसे बहठ ओ वास्तविक कानुन निर्माता बने सेकठ । पदनाम अनुसार काम मिलठ । टमान कार्यालयमे जनता ठगना, दुःख पैना ओ भ्रष्टाचारके सिकार हुइनाके कारण कानुनमे खोट हुइना हो । कानुन ठिक बनैना ओ कानुन लागु हुइल/नैहुइल हेरना काम संसद्के हो । यी काम संसद्से नैकरल कारण भ्रष्टाचार बहना ओ जनता अनावश्यक दुःख पैना करल बटै । सचिव, मन्त्री, महानिर्देशक, टमान प्रतिष्ठान, संस्थान ओ प्राधिकरणसे ऐन सरहके सहायक कानुन बनाके नीतिगत भ्रष्टाचार करल बा । यिहिनहे रोकन सरकारसे कानुन नैबनैना ओ संसद् सब कानुन बनाइक परठ ।

के के दोषी बा ? यी प्रश्नके उत्तर सहजिल बा- संसद्, सरकार ओ सरकारके पदाधिकारी दोषी हो । संसद्से विधेयकमे छलफल कैके ‘प्रत्यायोजित विधायन बनैना कौन कौन दफामे उल्लेख करल बा’ हेरके उ आवश्यक बा कि नैहो कना सरकारसंग स्पष्टीकरण माग करेपरनामे बर ‘यी तोकिएबमोजिम करि ना, यीबारे धेर छलफल नैकरि’ कना आवाज सुन्जाइठ । अइसिन कनाके पाछे सांसद विकासकर्मीके रूपमे अपनहे चिन्हैना लालायित होके कानुन बनैना काममे उदासीन रना हो । प्रत्यायोजित व्यवस्थापनके बाट ऐनमे कत्रा, काहे ओ कहाँ ढरना कहिके विधेयक नानल बा उ अध्ययन ओ छलफल करना सांसदके मुख्य काम हो । अस्टेक विधेयक प्रमाणीकरण हुइलपाछे प्रत्यायोजित विधायन बनाइल कि नैबनाइल, बनैलेसे कत्रा बनाइल ओ कैसिक बनाइल कहिके खोजी करना फेन सांसदके काम हो ।

हेरक कार्यालयमे कानुनबमोजिम काम हुइठ मने उ कानुन कैसिन बा कहिके संसद्से हेरना चलन नैहो । यकर कारण जनता सरकारी काममे एकडम भ्रन्भ्रट, दुःख ओ अनावश्यक खर्च करना बाध्य हुइल बा । तसर्थ सांसदसे ठिक कानुन, ठिक समय ओ ठिक तरिकासे बनैना उहाँहुकनके प्रथम कर्तव्य हो मने यिहे कर्तव्य पूरा नैकरल कारण भ्रष्टाचार मौलाइल बा, सरकार बदनाम हुइल बा, जनता दुःख पैले बा ओ सरकारी कार्यालयमे समयमे काम

हुइ सेकल नैहो । तसर्थ संसद् कानुन बनैना सक्रिय हुइनाके विकल्प नैहो । विकासके कार्य कार्यपालिकासे संसद्से बनाडेना बजेट कानुन ओ सरकारके माध्यमसे करना व्यवस्था रहे जेकर जा करना हो, ओहे करि । संविधानसे विकासनिर्माण सरकारके काम ओ कानुन जारी करना काम संसद्के कहल किटान करल बा, यिहिनहे लागु करि ।

सरकारसे इमानपूर्वक प्रत्यायोजित व्यवस्थापनके कार्य करे परठ । संसद्से

डेहल अधिकार दुरुपयोग करे नैपरठ ओ प्रत्यायोजित विधायनके सामान्य सिद्धान्त मिचे नैपरठ । अस्टेक न्यायपालिका फेन प्रत्यायोजित विधायनबारे न्यायिक जाँच करना, सच्यइना वा बदर करे सेक्ना होके ओहोर ध्यान डेना जरूरी बा । नागरिक समाज फेन प्रत्यायोजित विधायनके बारेमे ध्यान डेहे परठ । यम्ने टमान संघ संस्थाके मुख्य भूमिका रना जरूरी बा । जस्टे- बार एसोसिएसन, उद्योग वाणिज्य संघ ओ टमान पेसागत संस्था । विशेष ओ मुख्य काम भर संसद्के हो । संसद्से प्रत्यायोजित विधायन परीक्षण कैके सरकारहे सच्यइना वा बेठिक डेखाके बदर करना निर्देशन डेहे सेक्ना व्यवस्था बा । अइसिन निर्देशन सरकारसे मानेपरना संसदीय सिद्धान्त हो । सरकार ओ संसद् बिलकुल अलग काम करना निकाय हो, सरकारके कामके अनुगमन करना ओ सच्यइना निर्देश करना संसद्के काम हो ।

बेलायतलगायत कमनवेल्थ मुलुकमे प्रत्यायोजित विधायनहे ‘डेलिगेटेड अर सबअर्डिनेट लेजिस्लेसन’ कना करजाइठ । अमेरिकामे यिहिनहे ‘एड्मिनिस्ट्रेटिभ लेजिस्लेसन’ ओ फ्रान्सलगायतके अन्य मुलुकमे ‘इम्प्लान्टेसन डिक्री’ कना प्रत्यायोजित विधायन बनाइल पाजाइठ । यकर सुरुवात भर बेलायतके हेनरी आठौं बादसाहेके पालासे सन् १५३९ से सुरु हुइल हो । बेलायतमे संसद् ओ महाराजबिच टमान चो युद्ध होके शक्ति

विचार रामनारायण बिडारी

यहोर ओ ओहोर होके अन्ततः संसधे अधिकार आइलपाछे संसद्से राजाहे प्रत्यायोजित विधायनके अधिकार डेहल ओ राजा ओकर दुरुपयोग करल कारण यकर सिद्धान्त विकसित हुइल मानजाइठ । ओकरआधे संसद्से किल कानुन बनैना करल रहे । संसद्के सुरुवात हुइल लम्मा प्रयासपाछे बेलायत विकसित राष्ट्र हुइल । यी एक वर्षमे नाइहो, शताब्दीमे बनल हो ।

संसदके प्रभावकारिता अठ्ठे संसारमे संसद्के प्रभावकारिता जत्रा बहठ, ओत्रे लोकतन्त्र सबल हुइठ कना मान्यता बहल बा । यकर उदाहरण बेलायत, अस्ट्रेलिया ओ न्युजिल्यान्ड हो । बेलायतमे सन् १९४६ ‘स्टच्युटोरी इन्स्ट्रुमेन्ट्स ऐन’ जारी कैके अधीनस्थ विधायनहे नियन्त्रण करना काम करगिल । भारतमे भर कृष्ट लचिलो बा, वहाँ सर्वोच्च अदालत एक ऐनके बारेमे मुद्दा परलपाछे अनिवार्य रूपमे संसदसमक्ष प्रत्यायोजित विधायन पेस करना बाटमे निर्देश डेहल । भारतमे दुनु सदनमे प्रत्यायोजित व्यवस्थापन हेरना समिति बा । नेपालमे राष्ट्रिय सभामे अलगगे विशेष समिति बा कलेसे प्रतिनिधि सभा ओ प्रदेश सभामे विषयगत समिति हेरना व्यवस्था बा । बेलायतमे फेन सम्बन्धित विषयगत समितिसे हेरना व्यवस्था बा ।

कौनो फेन बाट पुनः प्रत्यायोजित हुइ नैसेकठ उहिनहे पाछे उल्लेख करजाइठ । प्रत्यायोजित व्यवस्थापनके मूलभूत बाट बुझ्न आवश्यक बा, टब किल कानुन परीक्षण करे सेक्जाइठ । अइसिके हेरलेसे संसद् कानुन बनैना काममे पूर्ण रूपमे व्यस्त हुइना डेखाइठ । अइसिन करलेसे चुनावी प्रतिस्पर्धा फेन कानुन निर्माणके आधारमे हुइना प्रचलन ढिरेसे बहठ ओ वास्तविक ‘कानुन निर्माता’ बने सेकठ । पदनाम अनुसार काम मिलठ । टमान कार्यालयमे जनता ठगना, दुःख पैना ओ भ्रष्टाचारके सिकार हुइनाके कारण कानुनमे खोट हुइना हो । कानुन ठिक बनैना ओ कानुन लागु हुइल/नैहुइल हेरना काम संसद्के हो । यी काम संसद्से नैकरल कारण भ्रष्टाचार बहना ओ जनता अनावश्यक दुःख पैना करल बटै । सचिव, मन्त्री, महानिर्देशक, टमान प्रतिष्ठान, संस्थान ओ प्राधिकरणसे ऐन सरहके सहायक कानुन बनाके नीतिगत भ्रष्टाचार करल बा । यिहिनहे रोकन सरकारसे कानुन नैबनैना ओ संसद् सब कानुन बनाइक परठ । टब किल कानुनी शासन चले सेकठ, सरकार जनताके नजरमे काबिल डेखाइठ ओ देशके जनता विकासके मुहार फेरे पैठै ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

जरूरी टेलिफोनके प्रायोजक: हमार यहाँ बोडलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी । नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा । प्रो.रमेश चौधरी केभी मासु पसल वेपथवेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लगे मो. ९८११६३३६८० एक्बुलेन्स नम्बर ९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८, ९८१४६८०२८५ प्रहरी अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१-४२१३०१ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४०,१०० वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२१२९१,११० इपिका अतरीया ०९१-४४०१२२	जिनगर प्रहरी चौकी ०९१-४२११८३ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४३ इपिका मसुरिया ०९१-४०२००४ इपिका चौमाला ०९१-६९२४७१ इपिका लम्की ०९१-४४०११९ इपिका मजली ०९१-४८०११९ इपिका सुखड ०९१-४२११६६ इपिका मालाखेती ०९१-४४०१२२ इपिका फल्ठुरे ०९१-६९०३३० इपिका हसुलिया ०९१-४२११४४ इपिका पाण्डौन १७४९०१४९०४ सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२१२०६ इपिका टीकापुर०९१-४६०११९ रा.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६१२८ बैक नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२ नवजिवन बैक ०९१-४२३६४३ कृषि विकास बैक ०९१-४२१२३४ मालिका विकास बैक०९१-४२३७३८ बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६ बैक अफ एसिया ०९१-४२४६४० नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-४२१८८५ सिटिजन बैक ०९१-४२७४८५ कुमारी बैक ०९१-४२६०३८ सनराईज बैक ०९१-४२४८४० नेपाल इन्नेसमेन्ट बैक०९१-४२३७०६ एनएमबी बैक लि.०९१-४२१२१६ सरकारी कार्यालय जिल्ला प्रशासन .०९१-४२११०१ जिल्ला विकास .०९१-४२३४६० नगरपालिका .०९१-४२१४२९ मालपोत.०९१-४२१२०१, लापी शाखा.०९१-४६०४०२ कृषि विकास .०९१-४२३२४४, मुमि सुधार.०९१-४२१२४४ जिल्ला हुलाक.०९१-४२११४२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६५ अस्पताल सेती अञ्चल.०९१-४२१२७१ नवजिवन ०९१- ४२१२३२/४२७०३३ विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४ पदमा धनगढी ०९१-४४०३४४ सेवा नर्सिङ होम अतरीया ०९१-४४०४७७ एक्बुलेन्स मसुरिया १७४९०१८०८१ घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७ टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१४० दमकल १०१ नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-४२१३३३ कैलाली उ.बा.संघ ४२१२३७, ४२३१७१	एक्बुलेन्स : ४२१६०० सामुदायिक एक्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८४४७४४० विगत : ४२११४४ दिनेश गेटल ०९१-४२१३१२ हिल डिजिटल ०९१-४२३१९८/४२४१३१ जगदम्बा०९१-४२३४१०, विवा०९१-४२३२७३ तरुण ०९१-४२४६१३, सनलाईट०९१-४२१४३६ वर्ल्ड लिंक धनगढी :४२०१४१ जालुलाजा०९१-४२२८३०/४२७१९० नेपाल पत्रकार महासंघ :४२७१२२ शैक्षिक संस्था कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१३२३ सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३९९२ हेरवर्च बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१०७९ राजनीतिक पार्टी नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४११४ नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२४०१० बसपाके काउन्टर धनगढी : ०९१-४२१२४२ एफ.एम दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ट्ज धनगढी: ०९१-४२६७०१
--	---	---

विपत् संकट सामनाके लाग १० बुँदे सर्वदलीय संकल्प

उच्चस्तरीय सर्वदलीय संयन्त्र गठन

काठमाडौं, ११ भदौ । नेपाल-चीन सीमावर्ती क्षेत्रसे भोटकोशीलगायत लडिया बेसिनमे आइल अप्रत्याशित बारहसे रसुवा, नुवाकोट, धादिङ, गोरखा, चितवन, नवलपरासीलगायत जिल्लामे हुइल मानवीय तथा भौतिक क्षतिप्रति सर्वदलीय बैठकसे गहिर दुःख व्यक्त कैटी विपद् सामना कैना १० बुँदे साभ्ना संकल्प करल बा ।

बैठकसे विपद्मा परके ज्यान गुमाइल नागरिकप्रति श्रद्धाञ्जली अर्पण कैटी शोकसन्तप्त परिवारजनमे समवेदना व्यक्त करल बा । घाइतेके उपचार, हेरचाह तथा मनोसामाजिक परामर्शके जिम्मेवारी राज्यसे लेहे पनामे दलसे एकमत हुइल बटै ।

विपद्के समयहे राष्ट्रिय एकताके परीक्षाके रूपमे व्याख्या कैटी राजनीतिक दलसे दलगत मतभेदसे उप्पर उठके नागरिकके जीवन रक्षा ओ राष्ट्रिय हितहे प्राथमिकतामे रख्ना प्रतिबद्धता जनैले बटै ।

सर्वदलीय बैठकसे आघे सारल १० बुँदा

१. राहत कार्यके गैरराजनीतिकरण: उद्धार तथा राहतमे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नैकैके सहकार्यके भावनासे



काम कैना ओ दलके नेता-कार्यकर्ताहे विशुद्ध मानवीय स्वयंसेवकके रूपमे परिचालन कैना ।

२. आर्थिक सहयोगमे एकद्वार प्रणाली: दलगत वा व्यक्तिगत रूपमे मनपरी आर्थिक संकलन नैकैना तथा सहयोग रकम सरकारके आधिकारिक उद्धार कोष वा सरकारसे टोकल खातामाफत किल जम्माके लाग आह्वान कैना ।

३. सामाजिक सञ्जालके जिम्मेवार प्रयोग: भ्रामक सूचना, अतिरञ्जित सामग्री तथा प्रभावितके गोपनीयता ओ आत्मसम्मानमे असर पर्ना सामग्री प्रसारण नैकैके आधिकारिक रूपमे प्रमाणित सूचना किल सम्प्रेषण कैना ।

४. हिमतालके वैज्ञानिक अध्ययन: नेपालके जोखिमपूर्ण हिमतालके तत्काल

वैज्ञानिक अध्ययन तथा नक्सांकन कैना ओ चीन ओरके जोखिमपूर्ण हिमतालके अध्ययन तथा जोखिम न्यूनीकरणके लाग चीनसँग संयुक्त वैज्ञानिक तथा प्राविधिक संयन्त्र गठनके लाग पहल कैना ।

५. विपद् कृतीति ओ पूर्वसूचना प्रणाली: सीमापार लडिया प्रणालीहे ध्यानमे रछटी नेपाल-चीनबीच वास्तविक समयके तथ्यांक आदानप्रदान तथा भरपद पूर्वसूचना प्रणालीहे संस्थागत ओ प्रविधिमैत्री बनैना ।

६. राष्ट्रिय एकता ओ समावेशी उद्धार: स्थानीय तहके पहिल प्रतिकार्यकर्ताके रूपमे रहल भूमिकाहे सुदृढ कैटी महिला, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता रहल व्यक्तिके उद्धार ओ राहतहे प्राथमिकता डेना ।

७. उत्थानशील पुनर्निर्माण ओ शून्य सहनशीलता: क्षतिग्रस्त संरचनाहे आउर सुरक्षित ओ उत्थानशील ढंगसे पुनर्निर्माण कैना तथा कालोबजारी, कृत्रिम अभाव ओ राहत दुरुपयोगमे संलग्नहे कडा कानुनी कारवाही कैना ।

८. जलवायु न्यायके मुद्दा उठेना : नेपालसे भोगटी रहल जलवायुजन्य हानि-नोक्सानीहे अन्तर्राष्ट्रिय मञ्चमे प्रभावकारी रूपमे उठैटी जलवायु न्यायके आधारमे अन्तर्राष्ट्रिय समुदाय ओ विकास साभ्नेदारके सहयोग मग्ना ।

९. अन्तर्राष्ट्रिय सहयोगके अपिल: उद्धार, राहत, पुनर्स्थापना तथा पुनर्निर्माणके लाग संयुक्त राष्ट्रसंघ, विकास साभ्नेदार, अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्था, मित्रराष्ट्र तथा प्रवासी नेपाली समुदायसँग मानवीय, प्राविधिक ओ आर्थिक सहयोग मग्ना ।

१०. उच्चस्तरीय सर्वदलीय संयन्त्र गठन: विपद्पाछे पुनर्निर्माण, जलवायु अनुकूलन, जोखिम न्यूनीकरण तथा राष्ट्रिय विपद् नीतिमे सुधारके लाग संसदीय समिति गठन कैके सरकारके कामकारवाहीके निरन्तर सल्लाह, सहयोग ओ अनुगमन कैना ।

सर्वदलीय बैठकसे विपद्के समयमे नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल, स्वास्थ्यकर्मी, राष्ट्रसेवक कर्मचारी तथा स्वयंसेवकसे पुगाइल योगदानके उच्च प्रशंसा करल बा । विपद्हे राष्ट्रिय एकता, पूर्वतयारी ओ उत्थानशील पुनर्निर्माणके अवसरमे रूपान्तरण कैना प्रतिबद्धता फेन दलसे व्यक्त करल बावै ।

संयुक्त वक्तव्यमा राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टीके सभापति रवि लामिछाने, नेपाली कांग्रेसके सभापति गगन थापा, नेपाली कम्युनिष्ट पार्टीके संयोजक पुष्पकमल दाहाल, नेकपा एमालेके महासचिव शंकर पोखरेल, श्रम संस्कृति पार्टीके ध्रुव राई, राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टीके अध्यक्ष राजेन्द्र लिङ्देन, जनता समाजवादी पार्टीके अध्यक्ष उपेन्द्र यादव ओ जनमत पार्टीके महासचिव चन्दन सिंह हस्ताक्षर करले बटै ।

सुदूरपश्चिम सरकारसे भोटकोशी बाढपीडितके उद्धार, राहत ओ पुनःस्थापनामा सहयोग करना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ११ भदौ । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे भोटकोशी लदियामे आइलके बाढसे हुइलके जनधनके क्षतिप्रति दुःख व्यक्त करटी उद्धार, राहत ओ पुनःस्थापनाके कार्यमे आवश्यक सहयोग कैना निर्णय करल बा ।

बुधके बैठल प्रदेश मन्त्रिपरिषद्के बैठकसे रसुवा, नुवाकोट, धादिङ, गोरखालगायत क्षेत्रमे बाढसे हुइल क्षतिप्रति दुःख व्यक्त करटी इ दुःखद् समयमे नेपाल सरकारसे करटी रहलके उद्धार ओ राहतके कार्यमे ऐक्यबद्धता जनैना निर्णय करल हो ।

बैठकसे खोज, उद्धार ओ राहत कार्यमे सरकारहे सहयोग कैना सक्कुमे अपिल कैना निर्णयसमेत करलके उद्योग, पर्यटन, वन ओ वातावरणमन्त्री प्रकाशबहादुर रावल जानकारी देलै ।

ओस्टेक करके, धनगढी उपमहानगरपालिका-३ स्थित शान्ति सामुदायिक वनके चार दशमलव ८१ हेक्टर जग्गामे बसपाके निर्माण कैना प्रस्ताव करल ओकर लग नेपाल सरकारसमक्ष सिफारिस कैना निर्णय

करल बा । भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालयसे आघे सारलके दुई वैकल्पिक सडकहे उच्च प्राथमिकतामे राखना निर्माण कैना निर्णयसमेत करल बा । जेकर अनुसार कञ्चनपुरके कृष्णपुर, डडेलधुरा, बैतडी ओ बझाङ जोरना देजी-लिप्ता-जोगबुढा-ढुङ्गादेउरा सडक ओ कञ्चनपुर, डडेलधुरा ओ डोटी जोरना बैलौरी भन्सार-कलुवापुर-नाइल-बुडुर सडक रहल बटै ।

ओस्टेक, सामाजिक विकास मन्त्रालयके प्रस्तावमे प्रदेशअन्तर्गतके सक्कु निकायमे स्तनपान कक्ष स्थापना ओ सञ्चालनमे ल्यानल निर्णयसमेत करल बा । साथे, उ सक्कु निकायमे महिला, पुरुष, अपाङ्गता हुइल व्यक्ति ओ लैङ्गिक ओ यौनिक अल्पसत्त्यकके लग छुट्टाछुट्टै शौचालय निर्माण कैना ओ स्यानिटरी प्याडके सहज ओ नियमित व्यवस्थापन कैना निर्णय हुइल बा ।

बैठकसे आन्तरिक मामिला ओ कानुन मन्त्रालयके सचिवमे धर्मराज जोशीहे पदस्थापन कैना ओ उद्योग, पर्यटन, वन ओ वातावरणमन्त्री रावलहे प्रदेश सरकारके प्रवक्ताके जिम्मेवारी देना निर्णयसमेत करल बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लानबाट बच्नौ ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।



श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

सुदूरपश्चिमका वन रक्षक धर्नामा

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ११ भदौ । सुदूरपश्चिमके वन रक्षकहे सेवा-सुविधा तह कायम कुरेकपर्ना मागसहित आन्दोलनमे उत्रल बटै । उहाँहुकनसे बिफेक रोज धनगढीस्थित मुख्यमन्त्री ओ मन्त्रिपरिषद्के कार्यालयआगे शान्तिपूर्ण धर्ना देले बटै ।

सुदूरपश्चिमके नौवटै जिल्लामा कार्यरत वन रक्षकहे माग सम्बोधनके लग धनगढीमे भेला हुइल हो । बिफेके धर्नामे करिब ७०-८० जाने वन रक्षक सहभागी हुइल रहे । उहाँहुकनके अनुसार अन्य जिल्लासे समेत वन रक्षकहे धनगढी आइना क्रम जारी बा ।

वन रक्षकहे 'हमार श्रमके सम्मान कर, तिसर तहके सुविधा कायम कर' भन्ना माग आघे सारल बटै । उहाँहुकनसे अपनके माग आठ महिनासे सरकारसमक्ष राखटी आइलफे सुनुवाइ नै हुइल बटैले बटै । आन्दोलनके संयोजक रामसिंह धामीके अनुसार वन रक्षकहे सहायक तिसर तह कायम कैना विषयमे लम्बा समयसे सरकारसँग छलफल हुइटी आइल बा । उहाँके अनुसार अन्य प्रदेशमे वन रक्षकके असिन माग सम्बोधन हुइ सेकलफे सुदूरपश्चिममे भर अब्बे सम कार्यान्वयन

हुइल नै हो । धामी कैलालीके पहलमानपुर डिभिजन वन कार्यालयअन्तर्गत सब-डिभिजन वन कार्यालय वदंगोरियामे कार्यरत बटै । उहाँके अनुसार वन मन्त्रालयसे सचिव भरत श्रेष्ठके संयोजकत्वमे पाँच सदस्यीय टोली गठन करके वन रक्षकहुकनके मागके विषयमे अध्ययन करल रहे । उ टोलीसे अध्ययन प्रतिवेदन तयार पारके मुख्यमन्त्री ओ मन्त्रिपरिषद्के कार्यालयमे बुझाइ सेकल हुइलफे ओकरपाछे प्रक्रिया आघे नै बहल वन रक्षकहुकन कहाइ बा ।

'हमेहे आन्दोलन ओ धर्नामे बैठना इच्छा नै हो । मुख्यमन्त्री कार्यालयसे छलफल करके जिना अपेक्षा रहे । मने, माग सम्बोधनके विषयमे कुनो ठोस प्रतिक्रिया नै आइलपाछे धर्नामे बैठना परल हो,' धामी कहलै ।

उहाँके अनुसार मुख्यमन्त्रीसे माग सम्बोधनके लग कुछ समय लागना कहुटी ८-१० दिन रुकना आग्रह करल रहे । मने, उ समय बिट सेकल फे माग सम्बोधनके लग ठोस प्रक्रिया आघे नै बहलपाछे आन्दोलन करेक परल उहा बटैले ।

वन रक्षकहुकनसे अपन माग तत्काल लावा कानुन बनैना सम्बोधन

करेकपर्ना नै हुइ प्रक्रिया आघे बहेकपर्ना बटैले बटै । सरकारसे लिखित रूपमे प्रक्रिया आघे बहैल प्रतिबद्धता आइलफे अपनहुकन आन्दोलन रुकना तयार रहल उहाँहुकनके कहाइ बा । वन रक्षक सावित्री चौलागाईंसे अन्य प्रदेशमे तिसर तह कायम हुइटीसेकलके अवस्थामे सुदूरपश्चिममे किल अपनहुकन विभेद करल बटैली । 'सक्कु प्रदेशमे तिसर तह कायम हुइटी सेकल बा । सुदूरपश्चिममे आजसम कुछ हुइल नै हो । आठ हिनासे हमे फाइल भुलाइल बा, दर्ता-चलानीसमेत आघे बहल,' उहाँ कहली ।

वन रक्षकहे अपनहे लम्बा समयसे सरकारके वन संरक्षणसम्बन्धी काममे खटल आइल कहुटी श्रम ओ कार्यसम्पादनके उचित मूल्याङ्कन हुइकपर्ना मागसमेत करल बटै । उहाँके वर्षौसे सेवा करटीरहल कर्मचारीके कामके मूल्याङ्कन ओ ओकर अनुसारके सुविधा सुनिश्चित कैना सरकारसँग आग्रह करल बटै ।

माग सम्बोधनके लग वातांके वातावरणसमेत नै बनल वन रक्षकहे गुनासो बा । अपनके माग सम्बोधन नै हुइल सम आन्दोलन जारी राख्ना उहाँहुकन चेतावनी देले बटै ।

आग्रह करले बटै ।

उहाँ बाढ तथा पहिरोके जोखिम हुइल क्षेत्रके नागरिकहे सम्भावित जोखिमसे सुरक्षित रना, नदी तथा खोला किनारमे नैजैना, जोखिमपूर्ण सडकमे यात्रा नैकैना आग्रह करले बटै । विनाशकारी बाढसे करल जनधनके क्षतिप्रति दुःख व्यक्त करटी मुख्यमन्त्रीसे लडिया, खोला तथा जोखिमयुक्त क्षेत्र आसपासमे बसोबास कैना सक्कु नागरिकहे उच्च सतर्कता अपनैना एवम् सम्भावित जोखिमसे बच्न हार्दिक अपिल करले बटै ।

विनाशकारी बाढ : मृतकके संख्या २७० पुगल

रसुवाके भोटकोशीमे आइलके बाढीमे परके मृत्यु हुइल संख्या २७० पुगल बा । अब्बेसम २७० जानेके शव भेटल प्रहरी प्रधान कार्यालयसे जनैले बा । रसुवामे १७ जानेके शव भेटल बा । नुवाकोटमे १२ जाने, धादिङमे २७ ओ चितवनमे १०८ जानेक शव फेला परल बा ।

गोरखामे २० जाने, तनहुँमे ९ जाने, नवलपरासी पूर्वमे ६२ जाने ओ

नवलपरासी पश्चिममे १५ जानेके शव फेला परल प्रहरी प्रधान कार्यालय स्थित केन्द्रीय समाचार कक्ष जनैले बा ।

केन्द्रके प्रमुख फडेन्द्रप्रसाद पौडेलके अनुसार बेपत्ता सुरक्षाकर्मीमे नेपाली सेनाके ४४, नेपाल प्रहरीके २८ ओ सशस्त्र प्रहरी बलके १३ जाने रहल बटै । अन्य बेपत्तामे रसुवाके १६१ ओ नुवाकोटके एक जाने बटै ।

ओस्टे ५७९ जाने पर्यटकफे सम्पर्कविहीन बनल बटै । सम्पर्कविहीन हुइनामे ११३ नेपाली ओ ४६६ विदेशी पर्यटक रहल मन्त्रालयसे जर्नले बा ।

विपद् परलके १०४ जनहनके सफल उद्धार करल बा । उद्धार करल मध्ये रसुवाके ४३, नुवाकोटके ५८ ओ धादिङके तीन जाने बटै । फेला परलके कतिपय शव क्षतविक्षत अवस्थामे रहल जानकारी पौडेल देले बटै ।

मन्त्रालयसे सूचनाके संवेदनशीलताहे ध्यानमे राखटी आधिकारिक निकायसे सम्प्रेषित समाचारहे किल विश्वास कैना आम नागरिकहे अनुरोध करल बा ।

विनाशकारी बाढसे...

प्रहरी सहायक हबल्दार हिकमत महारा, डडेलधुरा घर रहल प्रहरी जवान नारद साकी, घनश्याम कामी रहल जनाइल बा । ओस्टे, बैतडी घर हुके रसुवामे कार्यरत सशस्त्र प्रहरी जवान विनिता बोहराफे सम्पर्कविहीन रहल प्रदेश प्रहरी कार्यालयके सूचना अधिकारी विष्ट जानकारी डेलै ।

उद्धार तथा राहत कार्यमे सहयोग
सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे विनाशकारी बाढके कारण उत्पन्न विषम परिस्थितिमे राहत तथा उद्धार कार्यमे सहयोग कैना हुइल बा ।

उद्धार, राहत तथा पुनर्स्थापनाके लाग नेपाल सरकारसे सञ्चालन करटी रहल उद्धार तथा राहत कार्यमे प्रदेश सरकारसे पूर्ण सहयोग कैना जनाइल हो । यी प्रदेशकेफे टमान नागरिक विनाशकारी बाढके कारण सम्पर्कविहीन रहल कहुटी खोज, उद्धार तथा राहत कार्यहे थप तीव्रता डेके प्रभावकारी बनैना मुख्यमन्त्री खगराज भट्टसे नेपाल सरकारहे

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षधात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)

NMC No. 15308

कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ☎ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

रसुवा बाढः कञ्चनपुरके कर्मचारीसहित २९ जाने सम्पर्कविहीन

पहुरा समाचारदाता
कञ्चनपुर, ११ भदौ । रसुवामे आइलके भोटेकोशी नदीमे आइल भीषण बाढपाछे कञ्चनपुर घर हुइल २९ सम्पर्कविहीन हुइल बटै । जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुरसे बुधके साँझ बाढ प्रभावित स्थानमे रहलके हालसम सम्पर्कमे नै आइल व्यक्तिहकनके सम्बन्धमे खोजी ओ उद्धारके लग जिल्ला प्रशासन ओ जिल्ला प्रहरी कार्यालयमे जानकारी करैना सूचना जारी करल रहे ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुरके प्रवक्ता प्रहरी नायब उपरीक्षक टेकबहादुर रावतसे बाढ प्रभावित क्षेत्रमे रहल कञ्चनपुरके २४ जानेक आफन्तसे प्रहरीके खोजीकार्यके लग सम्पर्क करल बटैलै ।

“प्रभावित क्षेत्रमे कार्यरत सेना, प्रहरी, कर्मचारी ओ जलविद्युत्



आयोजनामे कार्यरत मजदुरके आफन्तहकनसे सम्पर्क करके खोजीकार्यके लग आग्रह करल बटै”, प्रवक्ता रावत कहाइ, “हम सम्पर्कविहीन हुइल नागरिकके विवरण संकलन करके प्रहरी प्रधान कार्यालय पठाई रहल बटी ।”

जिल्ला प्रहरी कार्यालयके अनुसार हालसम उहाँके भीमदत्त नगरपालिकाके छ जाने, बेल्हरी नगरपालिकाके तीन जाने, कृष्णपुरके पाँच जाने, शुक्लाफाँटा

नगरपालिकाके सात जाने, लालझाडी गाउँपालिकाके एक ओ बेदकोट नगरपालिकाके दुई जाने बाढ प्रभावित क्षेत्र रसुवासे सम्पर्कविहीन बटै ।

ओस्टेक करके, जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुरसे सूचना जारी करलपाछे डडेल्धुराके एक ओ बैतडीके दुई जाने आफन्तके सम्पर्क करल जनैले बा । “सम्पर्कविहीन व्यक्तिके आफन्तसे देहल विवरणअनुसार ढेरजस्ते हाइड्रोमे काम कैना मजदुर, नेपाली सेनाके दुई,

भोटेकोशी बाढसे टीकापुरमे चिन्ता, सयौं सम्पर्कविहीन

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ११ भदौ । बुधके विहान भोटेकोशीमे आइल बाढसे करल धनजनके क्षतिके खबरसे टीकापुरके गाउँ-गाउँमे चिन्ता छाइल बा । टीकापुरसे उहाँके जलविद्युत् आयोजनामे काम कैना गिलके युवा सम्पर्कविहीन हुइलपाछे चिन्ता बहल हो ।

उहाँहकनमध्ये ढेरजाने जलविद्युत् आयोजनाके सुरुङ मार्गमे काम कैना गिलके परिवारजनसे बटैले बटै । टीकापुर नगरपालिका-१ समितिपुरसे किल उहाँ काम करे गिलके दश जाने युवा सम्पर्कविहीन बटै ।

सम्पर्कविहीन हुइनामे वीरबहादुर चौधरी, शनिसराम चौधरी, जुगराम चौधरी, शिवनारायण चौधरी, बादल चौधरी, दोर्जे भनिने भुवन चौधरी, खुसीराम चौधरी, मनिराम चौधरी, अन्तराम चौधरी ओ मानबहादुर चौधरी रहल बटै ।

डेढ महिनाआधे काममे गिल

रहित हरेक दिन दोहुर १२ बजेओर बाटचिट होवै, आज बाट हइ नै सेकल हो । वीरबहादुरके गोसिनिया सुगन्ती चौधरी कहली, ‘बाढ आइल सनलपाछे फोन करना कोसिस करटी बटी अभिन साँझसम सम्पर्क हुइ नै सेकल हो । उहाँके युवाहकनहे समितिपुरके तुलाराम चौधरीसे कामके लग उहाँ लेहल रहित ।

युवा लैजिना ठेकेदार तुलाराम ओ भान्से दिलु चौधरी कोठामे रहल बेला बाढ आइलपाछे भागके ओ सुरुङमे काम कैना पसलके युवाहकन सम्पर्कविहीन हुइल बटै । तुलारामहे विहान साढे ११ बजेओर फोन लागल ओ अपन दिलु डाँडाओर भागटी करल ओ सुरुङमे गिलके पत्तो नै हुइल जानकारी देहटी तुलारामके छाइ चौधरी बटैली ।

वर्षाके अनुसार तुलारामसँगे किल कामके लग यहाँके ४० जानेसे ढेर युवाहकन उ ठाउँमे पुगल बटै । समितिपुरके बरघर ओ सम्पर्कविहीन

मानबहादुर चौधरीके भाइ अखिल थारु टमान बस्तीसे ढेर मनै गिल मनै नाम यकिन हुइ नै सेकल बटैले ।

ओस्टेक टीकापुर नगरपालिका-१ एकतापुरसेफे नौ जाने युवाहकन कामके लग उहाँ गिल बटै । भदौ २ गते काम करे रसुवा गिल रहित उहाँ गिलके युवा आशिष चौधरीके गोसिनिया दिलकुमारी चौधरी बटैली, ‘बुधके बिहान ७ बजे अन्तिम चो बाट हुइल हो ओकरपाछे सम्पर्क हुइल नै हो । दिलकुमारी जस्ते राजकुमार थारुके गोसिनिया शान्ति चौधरी, विपतराम चौधरीके गोसिनिया फुलमती चौधरीफे कामके लग लैजान समितिपुरके तुलाराम चौधरीके घरमे पुगल बटै । शान्ति चौधरीके अनुसार उहाँके गोसिया राजकुमारसँगे राजकपुर चौधरी, कमला चौधरी लगायत नौ जाने युवा कामके लग रसुवा गिल बटै ।

बाढपाछे उद्धार करल मनै काइ अस्पतालमे, कोइ हेलिकप्टरसे उद्धार करल, उच्च ठाउँमे सारलके खबर सुनल फे उहाँहकनके नाम नै आइत छपटी लागल श्रीराम चौधरी बटैलै । इलाका प्रहरी कार्यालय टीकापुरके प्रमुख, प्रहरी नायब उपरीक्षक प्रकाश डाँगीसे काममे गिलके परिवारसँगे खोधिखोजी ओ समन्वय हुइटी रहल बटैले ।

डडेल्धुरामे बालक मृत फेला

पहुरा समाचारदाता
डडेल्धुरा, ११ भदौ । डडेल्धुरामे एक बालक मृत भेटल बटै । अजयमेरु गाउँपालिका-४ ग्वान्नीके प्रकाश खत्रीके ७ वर्षीय छावा दिपेश खत्री बुधके साँझ

सिँचाइ पोखरीमे मृत भेटल हो । उहाँके घरसे करिब २०० मिटर टाढा रहल मृत अवस्थामे फेला परल रहे । घटनाबारे प्रहरीसे आवश्यक अनुसन्धान करटी रहल जनैले बा ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाइन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन नं. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

“गर्मीयाम संगे बर्खाबुन्डाके दिन सुरुवाट हुइल बा इ बेला साप गोजरके डर रहठ टबमारे अन्धारमे नेगेबेर सबधानी अप्नाइ ।”

भोटेकोशी बाढः सेनासे १२३ जानेक हेलिकोप्टरसे उद्धार

पहुरा समाचारदाता
काठमाडौं, ११ भदौ । बुधके बिहान रसुवामे भोटेकोशी नदीमे आइलके बाढके कारण बेपत्तामध्ये नेपाली सेनासे बिपेक बिहान किल हेलिकोप्टरमार्फत १२३ जानेके उद्धार करल बा ।

नेपाली सेनाके अनुसार रसुवाके टिमुरे क्षेत्रसे ९५ जाने सकुशल उद्धार करल बा । उद्धार करल मध्ये आठ जाने विदेशी नागरिक रहल बटै । उहाँहकनहे हेलिकोप्टरमार्फत काठमाडौं

ल्यान्ना तयारी हुइटीरहल बा कहटी बाँकीहे धुन्ने ल्यान्ना तयारी करल बा । ओस्टेक करके, रसुवाके हाकुस्थित जलविद्युत् आयोजनाके सुरुङमे फसल सात जानेके उद्धार करल बा । अन्य तीन ठो सुरुङमे फसलके उद्धार कार्यसमेत जारी रहलके नेपाली सेना जनैले बा ।

टिमुरे क्षेत्रमे हराइ रहलके २१ जाने भारतीय पर्यटकके उद्धार करटी काठमाडौं ल्यानल क्रम जारी रहल नेपाली सेना जनैले बा ।

बाढसे ५७९ जाने पर्यटक सम्पर्कविहीन, ४६६ विदेशी

पहुरा समाचारदाता
काठमाडौं, ११ भदौ । भदौ १० गते आइल बाढसे ५७९ पर्यटक सम्पर्क विहीन हुइल बटै । सम्पर्कविहीन हुइलके पर्यटकमे नेपाली ११३ जाने बटै ओ विदेशीमे ४६६ जाने बटै ।

कूल सम्पर्कविहीन हुइलके संख्या ८२६ जाने बटै । प्रहरीके २८, सेनाके ४४, शसस्त्र प्रहरीके १३ जाने बटै । हालसम १६५ जानेके मृत्यु हुइल पुष्टि करल बा और घाहिलहकनके संख्या ७३ जाने बटै ।

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- ❖ वर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङ्गको जोखिम हुन सक्छ,
- ❖ सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- ❖ जोखिमयुक्त स्थानमा नबसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- ❖ नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु विशेष सतर्क रहौं,
- ❖ सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- ❖ घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- ❖ सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- ❖ खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- ❖ प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- ❖ बालबालिका, वृद्धवृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं ।



कैलारी गाउँपालिका गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
Provide Health Related Services

सेवाहरु:

- ✓ मधुमेह(सुगर)
- ✓ थाइराइड रोग
- ✓ पेट,मुटु तथा छातिरोग
- ✓ कलेजी रोग
- ✓ T.B, हेपाटाइटिस रोग
- ✓ ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- ✓ मोटीपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TJ), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
BMC NO. 20304

➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सँ घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हावा सेवाहरु : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन ।
२) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेसन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अपरेसन) । ४) हाडजोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गे, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेसिनबाट हड्डीको अपरेसन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाता रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पुर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरु, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अपरेसन आदि सेवा ।



कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९